Sir, I wish to bring to your notice that recently the National Crime record Bureau (NCRB) has reported revealing a staggering figure of 4,45,256 cases of crimes committed against women in 2022. This translates into about 51 FIRs filed every hour! The issue of the safety of women has become very paramount. It is imperative for authorities to address this concerning trend and implement robust measures for ensuring safety and security of women all across the nation.

While the data underscores the urgent need to have comprehensive strategies to combat gender-based crimes, it is noteworthy that Kolkata stands out as the safest city in the country. This distinction highlights the effectiveness of local initiatives and law enforcement efforts in creating a secure environment for women.

Sir, to further enhance women safety nationwide, it is crucial for policy-makers to analyze successful models like that of Kolkata and replicate best practices available all over the nation. This may include increased police presence, community engagement programmes and leveraging technology for a rapid response to such incidents.

This alarming statistics underscores the responsibility of both, law enforcement and roping in and engaging the community to work collaboratively in tandem in creating a society where women can live without fear.

Sir, it is essential to prioritize and invest in women's safety, ensuring that every city and region becomes a safe haven for women to thrive and contribute to the nation's progress. Thank you.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the issue raised by the hon. Member, Shri Abir Ranjan Biswas: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Shrimati Mausam Noor (West Bengal), Ms. Dola Sen (West Bengal), Dr. John Brittas (Kerala), Dr. V. Sivadasan (Kerala), Shri Niran Bishi (Odisha), Shrimati Sulata Deo (Odisha), Shri P. Wilson (Tamil Nadu), Shri Jawhar Sircar (West Bengal), Shrimati Vandana Chavan (Maharashtra), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Shrimati Priyanka Chaturvedi (Maharashtra), Shri Rajmani Patel (Madhya Pradesh) and Dr. Santanu Sen (West Bengal), and Dr. Amar Patnaik (Odisha).

Demand for electrification and doubling of railway track between Kolhapur and Miraj

श्री धनजंय भीमराव महादिक (महाराष्ट्र) : उपसभापति महोदय, कोल्हापुर महाराष्ट्र का एक बहुत ही समृद्ध जिला है। हम पर-कैपिटा इनकम में दूसरे स्थान पर हैं। कोल्हापुर में महालक्ष्मी जी का एक प्राचीन मंदिर है। देवी महालक्ष्मी जी का तिरुपति बालाजी से धार्मिक संबंध होने की

वजह से रोज़ लाखों श्रृद्धालु कोल्हापुर आते हैं। वहां पर टूरिज्म की कई सारी साइट्स हैं, बहुत अच्छे मंदिर हैं। वहां पर13 किले हैं, उनमें से विशालगढ़ और पन्हालगढ़ हैं, जहां पर छत्रपति शिवाजी महाराज जी का वास्ता रह चुका है। सर, छत्रपती शाहू महाराज जी का जन्म स्थान भी कोल्हापुर है। कोल्हापुर में बहुत अच्छी रेनफॉल होती है, जिसकी वजह से शुगरकेन की रिकवरी देश में सबसे ज्यादा नंबर वन पर कोल्हापुर में है। यहां के लोग बहुत मेहनती हैं। यहां पर इंडस्ट्री का एक बड़ा हब बन चुका है। यहां पर कपड़ा, गुड़, चीनी की कई सारी मिलें हैं, फाउंड्री है, कास्टिंग है और रेमन्ड जैसी बड़ी इंडस्ट्री भी यहां पर है।

सर, 2015 में रेलवे विभाग ने कोल्हापुर में पुणे से लोंडा वाया मिरज रेलवे ट्रैक की डबल लाइनिंग और विद्युतीकरण के लिए लगभग 500 करोड़ रुपये का आवंटन किया था। मिरज से कोल्हापुर केवल 47 किलोमीटर है। जब मैं लोक सभा में था, तब से यह मांग कर रहा हूं कि मिरज से कोल्हापुर तक डबल लाइनिंग होनी चाहिए। जो पुणे-लोंडा-मिरज तक का काम लगभग पूरा हो चुका है, अभी डबल रेलवे लाइन होने से, कोल्हापुर के लिए अधिक ट्रेन्स होने से व्यवसाय को फायदा हो सकता है।

सर, मेरा आपके माध्यम से सरकार से यह अनुरोध है कि कोल्हापुर-मिरज रेलवे ट्रैक की डबल लाइनिंग और विद्युतीकरण को मंजूरी दी जाए। इसका भविष्य में कोंकण रेलवे लाइन के विस्तार के लिए भी फायदा होगा। इसके साथ ही 'वन्दे भारत ट्रेन', जो कि बहुत पॉपुलर हो चुकी है, उसकी भी announcement कोल्हापुर-मुंबई के लिए हो चुकी है, उसको भी जल्द से जल्द शुरू किया जाए। सर, प्रधान मंत्री मोदी जी एक विज़नरी लीडर हैं। उन्होंने कोल्हापुर के लिए बहुत कुछ दिया है। यातायात के आवागमन के लिए छह लेन की रोड कोल्हापुर से जा रही है। जो industrial hub corridor बन रहा है, वह भी कोल्हापुर से जा रहा है। कोल्हापुर के एयरपोर्ट के लिए हमारे मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ने 274 करोड़ रुपये दिए और वह भी फुलफ्लेज रूप से चल रहा है। वहां से 5-6 फलाइट्स चल रही हैं। पीएम-ई बस सेवा केन्द्र के माध्यम से 100 बसें आवंटित हुई हैं। वहां पर सिर्फ रेलवे का ही काम पिछड़ा हुआ है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि कोल्हापुर-मिरज जल्द से जल्द डबलिंग विद इलेक्ट्रिफिकेशन किया जाए, धन्यवाद।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The following hon. Members associated themselves with the Zero Hour matter raised by the hon. Member, Shri Dhananjay Bhimrao Mahadik: Dr. Sasmit Patra (Odisha), Dr. Santanu Sen (West Bengal), Dr. Fauzia Khan (Maharashtra), Dr. John Brittas (Kerala), and Dr. Amar Patnaik (Odisha).

धन्यवाद, धनजंय भीमराव महादिक जी। माननीय श्री सुजीत कुमार जी।

Resolving infrastructural deficiencies of Eklavya Model Residential School (EMRS) in Odisha

श्री सुजीत कुमार (ओडिशा) : उपसभापति महोदय, मैं आदिवासी बच्चों की शिक्षा के विषय पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। महोदय, मेरा विषय है कि जो